

कुसुम्भी वि. (तत्.) कुसुम रंग का, लाल।

कुसुम पुं. (तत्.) 1. फूल 2. वह गद्य जिसमें छोटे-छोटे वाक्य हो 3. आँख का एक रोग 4. जैनियों के अनुसार वर्तमान अवसर्पिणी के छठे अर्हत् के गणधार 5. एक राजा का नाम 6. मासिक धर्म, रजोदर्शन 7. छंद में ठगण का छठा भेद, जिसमें क्रमशः लघु, गुरु, लघु, लघु होते हैं जैसे- 'कृपा किए 8. एक प्रकार का फल 9. अग्नि का एक रूप या भेद मुहा. कुसुम का रोग -रक्तस्राव का रोग।

कुसुमदल स्त्री. (तत्.) फूल की पंखुरी या पत्री।

कुसुमधन्वा पुं. (तत्.) दे. कुसुमबाण।

कुसुमपंचक स्त्री. (तत्.) कमल, अशोक, आम, नवमल्लिका और नीलकमल-ये पाँच फूल कामदेव के बाण में कहे गए हैं।

कुसुमपुर पुं. (तत्.) पाटलिपुत्र, पटना का एक प्राचीन नाम।

कुसुमबाण पुं. (तत्.) कामदेव। मदन।

कुसुमरेणु पुं. (तत्.) पराग, पुष्परेणु।

कुसुमांजन पुं. (तत्.) जिस्ते का भस्म।

कुसुमांजलि पुं. (तत्.) फूल से भरी अंजली 2. षोडशोपचार पूजन का अंतिम उपचार जिसमें देवता पर अंजलि में फूल भरकर चढ़ाते हैं 3. न्यायशास्त्र का एक ग्रंथ 'न्यायकुमांजलि' जिसके रचयिता उदयनाचार्य हैं।

कुसुमाकर पुं. (तत्.) 1. वसंत 2. छप्पय का एक भेद जिसमें 6 गुरु और 140 लघु अर्थात् कुल 146 वर्ण या 152 मात्राएँ अथवा 6 गुरु, 136 लघु, कुल, 142 वर्ण या 148 मात्राएँ होती हैं 3. बाग, उपवन, वाटिका।

कुसुमागम पुं. (तत्.) वसंत।

कुसुमायुध पुं. (तत्.) शा.अर्थ कुसुम अर्थात् पुष्प जिसका आयुध-शस्त्र है, कामदेव।

कुसुमावलि स्त्री. (तत्.) फूलों का गुच्छा।

कुसुमासव पुं. (तत्.) फूलों का रस 2. मधु, पुष्पमधु।

कुसुमित वि. (तत्.) फूला हुआ, पुष्पित।

कुसूर पुं. (अर.) दे. कसूर।

कुसूरमंद वि. (अर.) 1. अपराधी, कुसूरवार 2. दोषी विलो. बेकसूर।

कुसृति पुं. (तत्.) 1. इंद्रजाल, हथकंडा 2. दुराचार 3. शठता 4. जालसाजी, धोखादेही।

कुस्तुंबरी स्त्री. (तत्.) धनिया।

कुस्तुभ पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. समुद्र, सागर।

कुहक पुं. (तत्.) 1. माया, धोखा, फरेब 2. धूर्त, वंचक 3. मेंढक 4. मुर्गे की बाँग 5. नाग विशेष 6. इंद्रजाल जानने वाला।

कुहक स्त्री. (अनु.) 1. ध्वनि, आवाज 2. मुर्गे की बाँग 3. मोर की बोली 4. पक्षियों की मधुर आवाज।

कुहकजीवी वि. (तत्.) इंद्रजाली, वंचक।

कुहकना क्रि.अ. (अनु.) 1. कोयल, मोर आदि पक्षियों का मधुर स्वर में बोलना पीकना, कूजना।

कुहकनी स्त्री. (देश.) कुहकने वाली, कोयल।

कुहकवृत्ति वि. (तत्.) दे. कुहकजीवी।

कुहकाना स.क्रि. (देश.) कूकने के लिए प्रेरित करना।

कुहकुहाना अ.क्रि. (अनु.) कोयल या मोर का बोलना।

कुहन पुं. (तत्.) 1. चूहा, भूसा 2. मिट्टी का बर्तन 3. शीशे का बर्तन 4. साँप वि. (तत्.) ईर्ष्या करने वाला, मक्कार।

कुहना स.क्रि. (देश.) कोयल के मधुर स्वर/बोल।

कुहना स.क्रि. (तद्.) मारना, बुरी तरह से मारना।

कुहनिका स्त्री. (तत्.) 1. स्वार्थ सिद्धि के निमित्त धार्मिक व्रत पूजा का दिखावा 2. ढोंग।

कुहनी स्त्री. (तद्.) 1. हाथ और बाहु के जोड़ की हड्डी 2. तांबे या पीतल की बनी हुई टेढ़ी नली जो हुक्के की निगाली में लगाई जाती है।

कुहमुख पुं. (तद्.) 1. कोयल 2. विपत्ति 3. दूज का चाँद।

कुहर पुं. (तत्.) 1. गड़ढा, गर्त 2. बिल, छेद 3. कान 4. गला. कंठ 5. समीपता, निकटता 6. रतिक्रिया 7. कंठस्वर 8. वातायन 9. गले का छेद 10 कुहरा।